>

Title: Need for toll tax policy in the country.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि देश में एक टोल टैक्स पॉलिसी बननी चाहिए। मैं बीकानेर से आता हूं। मैं जब जयपुर से दिल्ली के बीच यात्रा करता हूं तो वह 270 किलोमीटर की दूरी है और पांच टोल टैक्स आते हैं। अभी इंटरकनैक्टिंग का जमाना है, कम्प्यूटर का जमाना है। क्यों नहीं एक जगह टोल टैक्स वसूल कर लिया जाए और इन पांचों कम्पनियों के बीच एमओयू हो जाए? वे आपस में पैसे बांट लें। इससे एक आदमी को एक ही जगह खड़ा रहना पड़ेगा, पांच जगह खड़ा नहीं रहना पड़ेगा। यह समस्या जयपुर और दिल्ली के बीच नहीं है, मुझे लगता है कि पूरे देश में यह समस्या है। बीओटी के आधार पर मेघा हाईवे बन गए, सिक्स लेन बन गई, फोर लेन बन गई और हर जगह टोल टैक्स बन गए। जनता खड़ी रहती है, अधिकारी खड़े रहते हैं और ट्रक आदि भी खड़े रहते हैं। एक जगह कलैक्शन हो जाए और उसी रसीद को चारों, पांचों कम्पनियां आपस में कम्प्यूटर के माध्यम से हिसाब कर लें। मैं चाहता हूं कि सरकार को ऐसी पॉलिसी लानी चाहिए जिससे जनता के पैसे की बर्बादी न हो और देश को भी फायदा हो।